डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 23, 2 सैमुअल 13-15

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 23, 2 शमूएल 13-15:12 है। आप जो बोते हैं वही काटते हैं, 13. एक उड़ाऊ पुत्र शरीर में घर आता है, लेकिन आत्मा में नहीं। 14.1-15 12.

हम 2 शमूएल अध्याय 13 में जाने के लिए तैयार हैं, जिसका मैंने शीर्षक दिया है, तुम जो बोओगे वही काटोगे। और अक्सर जीवन और मानवीय अनुभव में, बच्चे अपने माता-पिता के पापों को दोहराते हैं।

और इस अध्याय में यही होने जा रहा है। प्रभु का न्याय निरंतर जारी रहेगा। दाऊद ने घोषणा की कि जिस धनी व्यक्ति ने मेमना चुराया है उसे चार भेड़ें वापस देनी होंगी।

डेविड निःसंदेह वह अमीर आदमी है। वह पहले ही चार गुना भुगतान में किस्त को नंबर एक बना चुका है। डेविड और बतशेबा के व्यभिचार से पैदा हुए बच्चे की मृत्यु हो गई।

प्रभु ने बच्चे को मारा और बच्चा मर गया। इस अध्याय में हम किस्त संख्या दो देखने जा रहे हैं। इसलिए, समय के साथ, अध्याय 13 श्लोक 1 में, दाऊद के पुत्र अम्नोन को दाऊद के पुत्र अबशालोम की सुन्दर बहन तामार से प्रेम हो गया।

तो तामार एक खूबसूरत युवा महिला है और अम्नोन उसकी ओर आकर्षित है। उसे उससे प्यार हो जाता है. मुझे लगता है कि यहां प्यार में पड़ना का प्रयोग पूरी तरह से शारीरिक दृष्टि से लगभग वासना के बराबर किया जा रहा है।

वह शारीरिक रूप से उसके प्रति आकर्षित है। आप सोच रहे होंगे कि दाऊद का पुत्र अम्नोन और दाऊद का पुत्र अबशालोम, क्या यह अम्नोन की बहन है? ख़ैर, यह उसकी सौतेली बहन है। उनकी अलग-अलग मां हैं.

और इसलिए, तामार और अबशालोम भाई-बहन हैं। उनके पिता, डेविड और माँ भी एक ही हैं, लेकिन अम्नोन की माँ अलग है। तो, यहां उसे अपनी सौतेली बहन से प्यार हो रहा है।

जैसा कि आप पाठ को पढ़ते हैं, पाठ अम्नोन के प्रेम की अनाचारपूर्ण प्रकृति पर जोर देने वाला है। यहां हर जगह भाई-बहन वाली भाषा का इस्तेमाल होने वाला है. यह वर्णनकर्ता है जो इस रिश्ते की प्रकृति को हमारे सामने रखने की कोशिश कर रहा है और यह गलत है।

अम्नोन अपनी बहन तामार के प्रति इतना अधिक आसक्त हो गया कि उसने स्वयं को बीमार बना लिया। तो, वह सचमुच यहाँ इतना प्यार करने वाला है, कि वह बीमार पड़ जाता है। वह कुंवारी थी और उसके साथ कुछ भी करना उसके लिए असंभव लग रहा था।

तो, उसे ऐसा लगता है कि रिश्ते की प्रकृति, उसकी कुंवारी स्थिति के कारण, ऐसा कोई रास्ता नहीं है जिससे वह उसके लिए अपनी शारीरिक इच्छाओं को पूरा कर सके। अम्नोन के पास योनादाब नाम एक सलाहकार था, जो दाऊद के भाई शम्याह का पुत्र था। और उस ने अम्नोन से पूछा, हे राजा के पुत्र, तू प्रति भोर को इतना सुस्त क्यों दिखाई देता है? क्या तुम मुझे नहीं बताओगे? आप के साथ क्या हो रहा है? और अम्नोन ने उस से कहा, मैं अपने भाई अबशालोम की बहिन तामार से प्रेम रखता हूं।

और इसलिए जोनादाब यहां अम्नोन को कुछ सलाह देने जा रहा है कि वह अपने जीवन के प्यार, तामार के साथ कैसे मिल सकता है। और मुझे लगता है कि हम यहाँ डेविड के शाही दरबार में जो देखते हैं, हमारे पास जोनादाब है, जिसे एक चतुर व्यक्ति कहा जाता है। यहां ज्ञान का एक तत्व है, लेकिन प्रभु के भय पर आधारित वास्तविक ज्ञान वास्तव में डेविड के शाही दरबार में मौजूद नहीं है।

हाँ, वे चतुर लोग हैं, बुद्धिमान लोग हैं जो योजनाएँ बना सकते हैं, लेकिन बुद्धिमत्ता, वास्तविक बुद्धिमत्ता यहाँ एक तरह से उलटी हो गई है। और इसलिए दाऊद के शाही दरबार में यही हो रहा है। और इसलिए यहाँ जोनादाब की योजना है।

जोनाडैब ने कहा, बिस्तर पर जाओ और बीमार होने का नाटक करो। जब तेरा पिता तुझ से मिलने आए, तब उस से कहना, मैं चाहता हूं कि मेरी बहन तामार आकर मुझे कुछ खाने को दे। उसे मेरे सामने खाना बनाने दो, ताकि मैं उसे देखता रहूँ और फिर उसके हाथ से खाऊँ।

दूसरे शब्दों में, हाँ, मैं बीमार हूँ पिताजी, लेकिन अगर मेरे पास एक नर्स होती तो निश्चित रूप से मुझे मदद मिलती। नीचे भेजने के लिए तमर अच्छा होगा। शायद वह नीचे आ सकती है और वह मेरी नर्स बन सकती है और मेरे लिए कुछ खाने के लिए बना सकती है।

वो ठीक रहेगा। अत: अम्नोन लेट गया और बीमार होने का नाटक करने लगा। वह योजना को क्रियान्वित करने जा रहे हैं.

जब राजा उससे मिलने आया, तब अम्नोन ने उस से कहा, मैं चाहता हूं कि मेरी बहन तामार आकर मेरे साम्हने कुछ विशेष रोटी बनाए, कि मैं उसके हाथ से खाऊं। दाऊद ने महल में तामार को संदेश भेजा। और इसलिए, हम यहां जो देखने जा रहे हैं वह यह है कि यह शब्द भेजें दिखाई देने वाला है।

फिर से, याद रखें, यह डेविड के अधिकार की याद दिलाता है। डेविड आदेश दे सकता है और लोग वही करेंगे जो वह कहेगा। और इसलिए अध्याय 11 में, वह यहां भेज रहा था और वहां भेज रहा था और उसे पता था और वह ऊरिय्याह को मारने की साजिश रच रहा था ताकि वह बथशेबा को पा सके।

और उसके अधिकार के दुरुपयोग के कारण कुछ गंभीर अपराध हुए। ख़ैर, वह अभी भी इस कहानी में अधिकार का प्रयोग कर रहा है, भेज रहा है और भेज रहा है। लेकिन इस विशेष मामले में, वह लूप से बाहर है।

वह वास्तव में नहीं समझता कि जोनाडैब की तरह पर्दे के पीछे क्या चल रहा है। और इसलिए, वह तामार को उसके निधन के लिए भेजने जा रहा है। बाद में अध्याय में, वह अम्नोन को उस भेड़ के ऊन कतरने के पास भेजने जा रहा है जिसे अबशालोम ने पकड़ रखा है।

और अबशालोम अम्नोन की मौत की साजिश रच रहा है और वह अम्नोन को उसकी मौत के लिए भेजने जा रहा है। तो उम्मीद है कि आप देखेंगे कि डेविड का अधिकार का प्रयोग कैसे उल्टा पड़ रहा है। इस अध्याय में इसका उलटा असर होने वाला है।

और यह सब परमेश्वर द्वारा दाऊद को दी गई उचित सज़ा का हिस्सा है। तब दाऊद ने तामार के पास कहला भेजा, कि अपके भाई के घर जाकर उसके लिथे कुछ भोजन तैयार कर। तो, तामार वही करती है जो उसके पिता आदेश देते हैं।

अत: तामार अपने भाई अम्नोन के घर गई जो सो रहा था। उसने कुछ आटा लिया, उसे गूंधा, और उसके सामने रोटी बनाई, और उसे पकाया। तो वह वहीं लेटा हुआ उसे खाना बनाते हुए देख रहा है।

वह उसे रोटी परोसती है, लेकिन वह खाने से इंकार कर देता है। जाहिर है, आसपास अन्य लोग, नौकर वगैरह भी हैं। और वह कहता है, सब को यहां से निकाल दो, अम्नोन ने कहा।

तो, सभी लोग चले गए। वह तामार के साथ अकेले रहना चाहता है। और फिर वह तामार से कहता है, भोजन यहीं मेरे शयनकक्ष में ले आओ।

तो जाहिर है, वह वापस शयनकक्ष में है। वहाँ कुछ बाहरी कमरे हैं जहाँ अन्य लोग हैं, और वह वास्तव में उसके साथ अकेला रहना चाहता है। इसलिये मैं तेरे हाथ से खा सकता हूं।

और इसलिए, तामार वह रोटी लेती है जो उसने बनाई थी। वह इसे अम्नोन में लाती है। और जब वह उसे खाने के लिये उसके पास ले गई, तो उस ने उसे पकड़ लिया।

वह उसे पकड़ लेता है और कहता है, मेरे साथ बिस्तर पर आओ, मेरी बहन। सचमुच, आओ मेरे साथ सोओ, मेरी बहन। यह डेविड के पाप की प्रतिध्वनि है।

यह हिब्रू क्रिया है, जिसका अर्थ है लेटना और सोना। कभी-कभी यौन संपर्क के लिए व्यंजनात्मक रूप से उपयोग किया जाता है। यह वह शब्द है जिसका उपयोग अध्याय 11 में डेविड के बतशेबा के साथ संभोग के लिए किया गया था।

और यह यहां दिख रहा है. और वह कह रहा है, मेरी बहन, मेरे साथ बिस्तर पर आओ। हमें फिर से याद दिलाया जा रहा है कि यह अनाचार है, जो उसके मन में है।

वह अपनी सौतेली बहन के साथ रिश्ता रखना चाहता है. कानून में इसकी मनाही है. लेकिन आप जानते हैं, अपने विकृत परिप्रेक्ष्य में, हो सकता है कि वह यहां इस शब्द का प्रयोग केवल संबंधपरक अर्थ से कहीं अधिक कर रहा हो।

हो सकता है कि वह इसे रोमांटिक अर्थ में उपयोग कर रहा हो क्योंकि सॉन्ग ऑफ सॉन्ग्स की प्रेम कविता बहन को युवक की दुल्हन के लिए रूपक रूप में उपयोग करती है। आप इसे गीत के गीत 4 और 5 में देख सकते हैं। और शायद इसी तरह से वह यहां शब्दावली का उपयोग कर रहा है। आप यह नहीं सोचेंगे कि वह इस तरह के अनुरोध में रिश्ते का जिक्र करेगा, लेकिन हो सकता है कि वह इसका इस्तेमाल रोमांटिक तरीके से कर रहा हो।

लेकिन फिर भी, हमें याद दिलाया जाता है कि वास्तव में यहाँ क्या हो रहा है और इसमें कौन सा पाप शामिल है। और कहती है नहीं मेरे भाई मुझे मजबूर मत करो. इजराइल में ऐसा नहीं किया जाना चाहिए.'

यह दुष्ट काम मत करो. मेरा क्या? मैं अपने अपमान से कहाँ छुटकारा पा सकता हूँ? और आपका क्या हाल है? तुम इस्राएल के दुष्ट मूर्खों में से एक होगे। कृपया राजा से बात करें.

वह मुझे तुमसे शादी करने से नहीं रोकेगा। लेकिन उसने उसकी बात मानने से इनकार कर दिया. और चूँकि वह उससे अधिक ताकतवर था, उसने उसके साथ बलात्कार किया।

इसलिए, वह उससे बात करने की कोशिश करती है। वह कहती हैं कि हमारा ऐसा करना गलत है। और कहती है, मत करो मेरे भाई.

और यह दिलचस्प है क्योंकि तामार के बलात्कार के इस वृत्तांत और न्यायाधीश 19 से 21 में लेवी की उपपत्नी के बलात्कार के वृत्तांत के बीच कई समानताएं हैं, जो इज़राइल में गृहयुद्ध का कारण बनती हैं। तुम्हें स्मरण है कि एक लेवी अपनी उपपत्नी के साथ यात्रा कर रहा था और वे गिबा में रुके। और रात खत्म होने से पहले, वहां के लोग लेवी के साथ संबंध बनाना चाहते थे, लेकिन इसके बजाय, उन्होंने उसकी उपपत्नी को बाहर भेज दिया और उसके साथ क्रूरतापूर्वक सामूहिक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

और उस कहानी और इस कहानी के बीच कई समानताएं हैं। और यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसका मैंने सपना देखा था। अन्य विद्वानों ने इसे देखा है।

और मैं बस उन समानताओं के माध्यम से चलने जा रहा हूं ताकि आप संचय देख सकें, जो बताता है कि यह सिर्फ संयोग नहीं है। सबसे पहले, शब्द, लेवी के साथ किया गया बलात्कार और अम्नोन द्वारा अपनी बहन के साथ किया गया बलात्कार, दोनों को अपमानजनक या दुष्ट चीज़ कहा जाता है। निवलाह हिब्रू शब्द है.

उपपत्नी की हत्या पर इज़राइल की भयावह प्रतिक्रिया। स्मरण रखें कि लेवियों ने शरीर के अंग इधर-उधर भेजे थे और इस्राएलियों ने उसका उत्तर दिया था। यह काफी हद तक तामार की

अम्नोन से की गई अपील की तरह लगता है, जहां वह कहती है कि इसराइल में ऐसा नहीं किया जाना चाहिए।

उस अवसर पर, इज़राइल में ऐसा कभी नहीं किया गया था। तो, यहाँ की दुष्टता में कुछ अनोखा है। दोनों अनुच्छेद एक ही हिब्रू क्रिया का उपयोग करते हैं।

यह इनाह है, जिसका अर्थ है दुर्व्यवहार करना या अपमानित करना, अपराध का वर्णन करना। अम्नोन ने तामार के साथ यही किया, और गिबा के इन पुरूषों ने उस उपपत्नी के साथ भी यही किया। न्यायियों अध्याय 19 में गिबा के लोगों से एप्रैमियों की अपील, वह कहता है, मेरे भाइयों जान लो , यह दुष्ट काम मत करो।

संरचनात्मक रूप से, यह वैसा ही है जैसा तामार अम्नोन से कहता है। जानो मेरे भाई, मुझे अपमानित मत करो। अभिव्यक्ति, मेरे भाई को जानो, साथ ही एक निषेध, यह इन दो ग्रंथों के अलावा कहीं और नहीं होता है, जो यह सुझाव देता है कि शायद उनके साथ कोई अंतर्पाठीय संबंध है।

गिबा और अम्नोन दोनों लोगों ने उन्हें दी गई चेतावनी को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने इनकार कर दिया। वे नहीं सुनेंगे, जैसा कि हमें दोनों ग्रंथों में बताया गया है।

तामार के साथ बलात्कार करने के बाद, अम्नोन, जैसा कि हम देखेंगे, हमने अभी तक यह कविता नहीं पढ़ी है, हम पढ़ेंगे, वह उससे कहता है, उठो और बाहर निकलो। वह उसके प्रति अपनी वासना को संतुष्ट करना चाहता था, लेकिन क्योंकि उसने प्रतिक्रिया नहीं दी और शायद उससे लड़ाई की, जिससे उसे ठेस पहुंची। वह एक इच्छुक प्रेम साथी चाहता था और उसे वह नहीं मिला।

वह अपनी शारीरिक इच्छाओं को पूरा करने जा रहा था, लेकिन अब, क्योंकि वह प्रतिक्रिया नहीं देती है, वह बस उसे अपनी नज़रों से दूर करना चाहता है। उसके शब्द, उठो, जाओ, लेवी के उस कथन को प्रतिध्वनित करते हैं जो उसने अपनी उपपत्नी को उसके भयानक अनुभव के बाद सुबह कहा था। याद रखें, वह रेंगते हुए घर वापस आई और उसने बेरहमी से उससे कहा, उठो, चलो।

जहाँ तक उसका सवाल था, वह क्षतिग्रस्त माल थी। और मुझे लगता है कि हम यहां जो देख रहे हैं, वह लगभग ऐसा है मानो हमारी कहानी का वर्णनकर्ता अम्नोन की रेप ऑफ टैमर का उपशीर्षक गिबिया रिविज़िटेड कर रहा हो। जजी काल जैसा ही कुछ यहां शाही दरबार में हुआ है।

और निःसंदेह, यदि आप उस न्यायाधीश की कहानी पर वापस जाते हैं, तो उस वृत्तांत और सदोम के बीच सभी प्रकार के साहित्यिक संबंध हैं, सदोम वृत्तांत, जहां सदोमवासी दूतों, लूत के पास आए आगंतुकों के साथ बलात्कार करना चाहते थे। और इसलिए जज की कहानी को सदोम रिविज़िटेड कहा जा सकता है। इस कहानी को गिबिया रीविज़िटेड कहा जा सकता है।

और इसलिए, एक अर्थ यह है कि सदोम और अमोरा शाही दरबार में आए हैं। और इसलिए, वह उससे बात करने की कोशिश करती है। और वहाँ, विद्वान कभी-कभी इस बात पर माथापच्ची करेंगे कि वह कहाँ कहती है, कृपया राजा से बात करें।

वह मुझे तुमसे शादी करने से नहीं रोकेगा। मोज़ेक कानून के अनुसार, ऐसा नहीं हो सकता। यही कारण है कि वह यहां सबसे पहले इतना निराश है और उसने फैसला किया है कि वह जो चाहता है उसे लेगा, चाहे कानून कुछ भी कहे।

तो, यहाँ उसके मन में क्या है? खैर, वह इस समय एक हताश महिला है। और मुझे लगता है कि वह बस रोकने की कोशिश कर रही है। वह उसका ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

अरे, जाकर पिताजी से पूछो। सब कुछ ठीक हो जाएगा। वह शायद कहेगा, नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता।

लेकिन वह यहां अपनी भावनाओं पर काम कर रही है। और कौन जानता है? वह हो सकती है, यह डेविड पर एक टिप्पणी हो सकती है। वह शायद सोच रही होगी, ठीक है, हाँ, कानून ऐसा करने से मना करता है, लेकिन मेरे पिता को जानते हुए, वह इसे वैसे भी होने दे सकते हैं।

इसलिए, हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। यह उसे रोकने, दूर जाने में सक्षम होने का एक प्रयास है। और इसलिए स्वाभाविक रूप से वह बस यही कहेगी, अरे, पिताजी से पूछो, राजा से पूछो।

वह मुझे तुमसे दूर नहीं रखेगा. हमारी शादी हो सकती है. लेकिन वह नहीं माना और उसके साथ बलात्कार किया।

और फिर पद 15, अम्नोन ने उससे अत्यधिक घृणा की। वास्तव में, वह उससे जितना प्यार करता था उससे कहीं अधिक उससे नफरत करता था। इससे पता चलता है कि उसका कोई भी प्यार पूरी तरह से सतही शारीरिक वासना की किस्म का था।

और जब उसने उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो वह अब उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहता था। अम्नोन ने उस से कहा, उठ, और निकल जा। और फिर पद 16, नहीं, उसने उससे कहा, जो कुछ तूने मेरे साथ किया है, उससे भी बड़ा पाप मुझे भेजना होगा।

लेकिन उसने उसकी बात मानने से इनकार कर दिया. इस समय वह क्या सोच रही है कि मेरा उल्लंघन किया गया है। और वह बलात्कार नियमों और उस तरह की चीज़ों के बारे में सोच रही है।

और वह कह रही है, अब जब तुमने मेरा उल्लंघन किया है, तो मैं बर्बाद हो गई हूं। मैं क्षतिग्रस्त माल हूँ. मेरे जीवन खत्म हो गया है।

तुम्हें इस समय मुझसे विवाह करना होगा। लेकिन वह वहां नहीं जा रहे हैं. और इसलिए वह अपने निजी नौकर को बुलाता है और पद 17 कहता है, इस स्त्री को मेरी दृष्टि से दूर ले जाओ और उसके पीछे दरवाजा बंद कर दो।

तो, इस सब में तामार एक बहुत ही सहानुभूतिपूर्ण व्यक्ति है। वह एक पीड़िता है और वह वास्तव में न्याय की हकदार है ।' किसी को आगे आकर अम्नोन को उसके कृत्य के लिए जिम्मेदार ठहराना होगा।

लेकिन नौकर उसे बाहर निकाल देता है और उसके पीछे दरवाजा बंद कर देता है। उसने एक अलंकृत वस्त्र पहना हुआ है। क्योंकि राजा की कुँवारी बेटियाँ इसी प्रकार का वस्त्र पहनती थीं।

इसलिए, उन्होंने विशेष वस्त्र पहने जिससे पता चले कि मैं राजा की कुंवारी बेटी हूं। परन्तु तामार अपने सिर पर राख डालती है। वह अपने पहने हुए अलंकृत वस्त्र को फाड़ देती है मानो कह रही हो कि यह अब मेरे लिए उपयुक्त पोशाक नहीं है।

वह अपने सिर पर हाथ रखती है, जो शोक का संकेत रहा होगा। और वह जाते-जाते जोर-जोर से रोती हुई चली गई। तो यहाँ उसका उल्लंघन किया जाता है, और उसके अपने सौतेले भाई द्वारा उसका बलात्कार किया जाता है।

इस संस्कृति में उसका जीवन बर्बाद हो गया है।' उसने सामान खराब कर दिया है. वह घर जाती है, और उसका पूरा भाई अबशालोम उस से कहता है, क्या तेरा भाई अम्नोन तेरे साय रहा है? क्या उसने आपके साथ ऐसा किया? और फिर वह उससे कहता है, अभी चुप रहो, मेरी बहन।

वह तुम्हारा भाई है. इस बात को दिल पर मत लेना. ऐसा लगता है मानो यहां उसके साथ बहुत बेरहमी से व्यवहार किया जा रहा है।

लेकिन ऐसा नहीं है. और तामार त्यागी हुई स्त्री होकर अपने भाई अबशालोम के घर में रहती थी। उसकी शादी नहीं हो पाएगी.

अब उसे कोई नहीं ले जाएगा. डेविड कैसे प्रतिक्रिया देगा? जब राजा दाऊद ने यह सब सुना, तो वह क्रोधित हुआ। और अबशालोम ने अम्नोन से एक शब्द भी न कहा।

डेविड गुस्से में है, लेकिन यह पहचानना अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है कि उसने क्या नहीं किया। एक भावनात्मक प्रतिक्रिया है. वह पागल है, लेकिन वह अम्नोन के साथ कुछ नहीं करता।

उसने जो किया है उसके लिए वह उसके खिलाफ न्याय नहीं करता है। वह तामार के मुद्दे का बचाव नहीं करता है। अबशालोम कुछ भी नहीं कहता, न अच्छा, न बुरा।

परन्तु वह अम्नोन से बैर रखता था क्योंकि उस ने उसकी बहन तामार का अपमान किया था। यहां सम्मान-शर्म का कारक शामिल है। और अबशालोम और उसकी बहन का सम्मान भंग किया गया है।

और इसलिए, वह अम्नोन से नफरत करता है। और वह इसके बारे में कुछ करने जा रहा है। और श्लोक 23 में, दो साल बाद, वह अपना समय बिता रहा है।

वहाँ भेड़ कतरने का काम होने वाला है। और अबशालोम राजा के पास गया, और उस ने कहा, क्या तू मेरे साथ रहेगा? आप नीचे क्यों नहीं आते पापा? और दाऊद कहता है, नहीं, मेरे बेटे, हम सब को नहीं जाना चाहिए। हम तो बस तुम्हारे लिए बोझ बन कर रह जायेंगे.

पूरे परिवार को भेड़ कतरने के समय उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। अबशालोम ने उससे आग्रह किया, परन्तु उसने फिर भी जाने से इन्कार कर दिया। वह अपना आशीर्वाद तो देते ही हैं.

तब अबशालोम ने कहा, यदि तू नहीं आना चाहता, तो मेरे भाई अम्नोन को हमारे संग क्यों नहीं आने देता? और यह लगभग वैसा ही है जैसे डेविड का एक हिस्सा यहां संदिग्ध है। वह पद 26 में पूछता है, उसे आपके साथ क्यों जाना चाहिए। लेकिन अबशालोम ने उससे आग्रह किया।

तो, ध्यान दें कि डेविड क्या करता है। उसने अम्नोन और राजा के बाकी पुत्रों को उसके साथ भेजा। तो जैसे डेविड ने तामार को उसके निधन के लिए भेजा, वह यहां भी करता है।

इस वक्त उसे इसका एहसास नहीं है. अबशालोम ने कुछ तैयार किया है। और वह अपने आदमियों से कहता है, सुनो, जब अम्नोन दाखमधु पीकर अति उदास हो जाए, और मैं तुम से कहूं, कि अम्नोन को मार डालो, तब उसे मार डालना।

डरो मत. क्या मैंने तुम्हें यह आदेश नहीं दिया? मजबूत और बहादुर बनो. मुझे लगता है कि वह जो कह रहा है, वह यही है जो मैं चाहता हूं कि आप करें।

और मैं नहीं चाहता कि आप इसमें डगमगाएं और पीछे हट जाएं क्योंकि यह हत्या है। मैं ही जिम्मेदार हूं. मैंने आदेश दे दिया है.

तुम बस मेरे साधन हो. और इसलिए इसके बारे में चिंता मत करो. इसे कर ही डालो।

इसलिए, अबशालोम के लोगों ने अम्नोन के साथ वही किया जो अबशालोम ने आदेश दिया था। तब सब राजपुत्र उठकर अपने खच्चरों पर चढ़कर भाग गए। तो, हत्या हो जाती है और दूसरे बेटे सोच रहे हैं कि यहाँ क्या हो रहा है? क्या वह सभी बेटों को निशाना बना रहा है? और इसलिए, जब ऐसा होता है तो वे भाग जाते हैं।

खैर, यहां इस्तेमाल की गई कुछ भाषा दिलचस्प है। जब अबशालोम ने अपने आदमियों से कहा, अम्नोन को मार डालो, तब उसे मार डालो। ये वे हैं, ये क्रियाओं का वह समूह है जिसके बारे में हमने पहले बात की थी।

यहां डेविड द्वारा उरिय्याह की हत्या की गूंज है। याद रखें, उसने योआब से कहा था कि वह पीछे न हटे, इसलिए वह चाहता था कि ऊरिय्याह को मारकर मार डाला जाए। और अब हमारे पास अबशालोम उसी भाषा का उपयोग कर रहा है जैसे वह अपने सौतेले भाई की मृत्यु का आदेश देता है।

और जब वे जा ही रहे थे, तो दाऊद को समाचार मिला। पुत्र पीछे हट रहे हैं और दाऊद को समाचार मिला, अबशालोम ने सब राजकुमारों को मार डाला है। उनमें से एक भी नहीं बचा.

यह अतिशयोक्ति है. यह फर्जी खबर है. यह उस तरह की चीज़ है जो घटित होती है।

हे भगवान, अबशालोम ने सभी को मिटा दिया है। नहीं, राजा खड़ा हुआ, और अपने वस्त्र फाड़े, और भूमि पर लेट गया, और उसके सब सेवक अपने वस्त्र फाड़े हुए खड़े रहे। परन्तु योनादाब, जिस ने अम्नोन को सलाह दी थी कि वह अपनी बहन, शमियाह के पुत्र, दाऊद के भाई और दाऊद के भतीजों में से एक के साथ कैसे मिले, कहता है, मेरे प्रभु को यह नहीं सोचना चाहिए कि उन्होंने सभी हाकिमों को मार डाला।

केवल अम्नोन मरा है. जिस दिन से अम्नोन ने अपनी बहन तामार के साथ बलात्कार किया, उसी दिन से अबशालोम का यही स्पष्ट इरादा रहा है। और मैं सोच रहा हूं, इस आदमी की मूर्खता, क्योंकि मैं सोच रहा हूं कि राजा यह क्यों नहीं कह सकता, आपने हमें क्यों नहीं बताया? परन्तु, मेरे स्वामी राजा को इस समाचार से चिंतित नहीं होना चाहिए कि राजा के सभी पुत्र मर गये हैं।

केवल अम्नोन मरा है. मैं जानता हूं, मैं अबशालोम के लक्ष्य के विषय में जानता हूं। वह कहानी में डेविड के लिए एक असफलता है।

यह आश्चर्यजनक है कि डेविड इस बात पर उस पर क्रोधित नहीं होता। हो सकता है उसने ऐसा किया हो, लेकिन कहानी ऐसा नहीं कहती। वह जानता है.

वह समझते हैं कि पर्दे के पीछे क्या चल रहा है। वह जानता था, उसने अम्नोन को वही करने की सलाह दी जो उसने तामार के साथ किया। वह जानता है कि अबशालोम क्या करने का इरादा रखता है, भले ही अबशालोम चीजों को गुप्त रखने की कोशिश कर रहा है।

वह जानता है। डेविड को नहीं पता. और इसमें एक विडंबना है.

जो राजा सबको भेजता है, उसे नहीं पता कि उसके अपने राजदरबार में क्या हो रहा है। बात यहीं तक पहुंच गई है और यह सब डेविड को ईश्वर की सजा का हिस्सा है क्योंकि यह किस्त दो है। इसके अलावा, यहां न्याय का एक और तत्व है।

याद करो जब तामार बलात्कार के बाद वापस गई और उसने अपना कपड़ा फाड़ दिया, उसने अपने कपड़े फाड़ दिए, और वह जोर-जोर से रोने लगी। और दाऊद अम्नोन पर क्रोधित हुआ, परन्तु उसने वास्तव में कुछ भी नहीं किया। और इसलिए, अबशालोम, मुझे लगता है, अंततः निर्णय लिया, मैं इस मुद्दे को बलपूर्वक उठाने जा रहा हूँ।

यदि मेरे पिता अम्नोन को न्याय नहीं दिलाएंगे, तो मैं यह करूंगा। और ध्यान दें कि इस कहानी में हर कोई फटे कपड़ों के साथ रोता है। तो, मुझे लगता है कि डेविड को वही महसूस होने लगा है जो तामार को महसूस हुआ था।

खैर, आप सोच रहे होंगे कि अबशालोम क्या करने जा रहा है? अबशालोम क्या करने जा रहा है? ठीक है, पद 34 के अनुसार वह भाग जाता है। और फिर दूत आते हैं और वे दाऊद को पूरा विवरण देते हैं कि क्या हो रहा है, और हर कोई जोर-जोर से विलाप कर रहा है। और पद 36 के अनुसार राजा भी और उसके सब सेवक बहुत फूट फूट कर रोने लगे।

इस बीच, अबशालोम शहर से बाहर चला जाता है। वह भाग जाता है और वह ट्रांसजॉर्डनियन क्षेत्र में गेशूर के राजा अम्मीहुद के पुत्र तल्मै के पास जाता है। यह अपनी माँ की ओर से दादा हैं।

और इसलिए, वह जाता है और अपने दादा-दादी के साथ एक सुरक्षित स्थान पर रहने का फैसला करता है। राजा दाऊद अपने पुत्र के लिये बहुत दिन तक विलाप करता रहा, और अबशालोम तीन वर्ष तक गशूर में रहा। इस बात पर कुछ बहस है कि अनुवाद कैसे होना चाहिए, लेकिन हमें श्लोक 39 में बताया गया है, कम से कम एक व्याख्या के अनुसार, राजा डेविड अबशालोम के पास जाने की इच्छा रखते थे क्योंकि उन्हें अम्नोन की मृत्यु पर सांत्वना मिली थी।

जैसे-जैसे समय बीतता है, डेविड को अबशालोम भी बहुत पसंद आने लगता है, खासकर जब से अम्नोन अब चला गया है। और इसलिए, अबशालोम भाग गया है, अम्नोन मर गया है, और डेविड ने चार गुना भुगतान में किस्त संख्या दो का भुगतान कर दिया है। और यह हमें अध्याय 14 पर लाता है।

अध्याय 14, श्लोक 1 से अध्याय 15:12 तक, जिसे हम शीघ्रता से कवर करेंगे, हम यहां जो देखने जा रहे हैं वह यह है कि एक उड़ाऊ पुत्र शरीर में घर आने वाला है, लेकिन आत्मा में नहीं। तो, अध्याय 14, श्लोक 1 से 15, 12 में, एक उड़ाऊ पुत्र शरीर में घर आएगा, लेकिन आत्मा में नहीं। और इसलिए, हम अध्याय 14, श्लोक 1 में पढ़ते हैं, सरूयाह का पुत्र योआब जानता था कि राजा का हृदय अबशालोम के लिए तरसता है।

जिस तरह से यह अनुवाद स्पष्ट करता है, डेविड बस अबशालोम के साथ रहना चाहता था, अनुवाद के संबंध में कुछ अनिश्चितता है। शायद वह जानता था कि दाऊद अबशालोम के बारे में बहुत कुछ सोच रहा था। इसमें कोई अतिरिक्त भावनात्मक पहलू था या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप हिब्रू पाठ की व्याख्या कैसे करते हैं।

डेविड अभी भी कम से कम अबशालोम के बारे में सोच रहा है, और इसलिए योआब ने फैसला किया कि हमें अबशालोम को यहां वापस लाने की जरूरत है। इसमें हमें उसके उद्देश्य नहीं बताए गए हैं। शायद उन्हें इस बात की चिंता है कि अगर डेविड को कुछ हो गया, तो शायद उन्हें डेविड के उत्तराधिकारी के लिए अन्य विकल्पों पर ज्यादा भरोसा नहीं है।

शायद वह अबशालोम को एक अच्छा राजा मानता हो। किसी भी कीमत पर, उसने फैसला किया कि वह अबशालोम को घर वापस लाएगा। और योआब ने तकोआ को भेजा, और वहां एक बुद्धिमान स्त्री थी।

और मैं इस संदर्भ में बुद्धिमानी समझता हूं, इस अर्थ में कि वह शब्दों का अच्छी तरह से उपयोग करना जानती है। लेकिन एक बार फिर, यह चालाकी है. इन संदर्भों में बुद्धि चालाकी है।

जोनादाब ने अम्नोन को जो सलाह दी थी, वह मूलतः डेविड को धोखा देने के लिए थी। और वह चतुर वा बुद्धिमान कहलाता था, परन्तु बुद्धि औंधे मुंह गिर पड़ी। इधर भी ऐसा ही है।

योआब इस बुद्धिमान स्त्री का उपयोग भ्रामक उद्देश्यों के लिए करने जा रहा है। वह डेविड को ऐसी स्थिति में फंसाने की कोशिश करने जा रहा है जहां वह अबशालोम को वापस लाने के लिए सहमत हो जाए। यहाँ योआब की यही इच्छा प्रतीत होती है।

तो, वह महिला से कहता है, तुम्हें यहां वह हिस्सा पहनना होगा जो मैंने तुम्हारे लिए मन में रखा है। बहाना करो कि तुम शोक में हो। शोक के कपड़े पहनें.

किसी भी कॉस्मेटिक लोशन का प्रयोग न करें। उस महिला की तरह व्यवहार करें जिसने मृतकों के लिए शोक मनाते हुए कई दिन बिताए। इसलिए, मैं चाहता हूं कि आप शोक मनाने का दिखावा करें।

इसलिए, यहां एक बुद्धिमान महिला को एक अच्छी अभिनेत्री होने के बराबर माना जाता है। हम बस डेविड को धोखा देने जा रहे हैं। तब राजा के पास जाओ और उससे यह बात कहो।

और मूलतः, योआब उसके मुँह में शब्द डालता है। और जाहिर तौर पर उनकी प्रतिष्ठा एक बुद्धिमान महिला के रूप में है। वह इसे बखूबी अंजाम देने में सक्षम होगी.

और वह दाऊद के पास जाने वाली है और वह उसके सामने गिरकर मदद की भीख माँगने वाली है। और डेविड ने उससे पूछा, तुम्हें क्या परेशानी है? और वह कहने जा रही है, मैं एक विधवा हूं। मेरे पति मर चुके हैं.

और मेरे दो बेटे थे. और उनमें झगड़ा हो गया. और उनमें से एक ने दूसरे पर वार करके उसे मार डाला।

तो, मेरे एक बेटे ने हत्या कर दी, शायद मेरे दूसरे बेटे की भी हत्या कर दी गई। अब सारा कुल तेरे दास के विरुद्ध खड़ा हो गया है। और वे मांग कर रहे हैं कि मैं अपने बेटे, अपने जीवित बेटे को उन्हें सौंप दूं ताकि वे हत्या के लिए उसे फाँसी दे सकें।

लेकिन वह कहती है, समस्या यहीं है। मैं दोनों बेटों को खोना नहीं चाहता. मैं पहले ही अपना एक बेटा खो चुका हूं.

और मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मेरा जीवित बेटा, भले ही उसने अपने भाई को मार डाला हो, जीवित रखा जाए। क्योंकि वह इकलौता वारिस है. और हम नहीं चाहते कि परिवार का वंश ख़त्म हो जाए।

वे मेरे पास बचे एकमात्र जलते कोयले को बुझा देंगे, जिससे मेरे पति का न तो नाम होगा और न ही धरती पर उनका कोई वंशज बचेगा। और इसलिए, वह इसी आधार पर उनसे अपील करती है। इस विशेष मामले में न्याय से अधिक महत्वपूर्ण परिवार है।

और वैसे, डेविड इसी तरह सोचता है। योआब को कभी भी न्याय के कठघरे में नहीं लाया गया। और वे आशा कर रहे हैं कि अबशालोम ऐसा नहीं करेगा।

सो स्त्री कहती है, हे मेरे प्रभु राजा, मुझे और मेरे घराने को क्षमा कर, और राजा और उसकी राजगद्दी निर्दोष ठहरे। तो, डेविड ने कहा है, मैं आपकी ओर से एक आदेश जारी करूंगा। और दाऊद पद 10 में कहता है, यदि कोई तुझ से कुछ कहे, तो मेरे पास ले आ।

वे तुम्हें दोबारा परेशान नहीं करेंगे. मैं इसमें आपके लिए शासन करने जा रहा हूं। और उस ने कहा, तो फिर राजा अपके परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके खून का पलटा लेनेवाले को नाश करने से रोके, और मेरा पुत्र नाश न हो।

दूसरे शब्दों में, मैं वास्तव में चाहता हूं कि आप यह सुनिश्चित करें कि वे जो करना चाहते हैं उसे पलटते हुए आप यहां एक आधिकारिक आदेश दें। और दाऊद कहता है, यहोवा के जीवन की शपथ, तेरे बेटे के सिर का एक बाल भी भूमि पर न गिरेगा। इसलिए, उसने वास्तव में डेविड पर उसके पक्ष में निर्णय लेने के लिए दबाव डाला है।

और डेविड ऐसा करने को तैयार है। तब स्त्री ने कहा, तेरा दास मेरे प्रभु राजा से एक बात कहे। बोलो, उसने उत्तर दिया।

और स्त्री कहती है, फिर तू ने परमेश्वर की प्रजा के विरोध में ऐसी युक्ति क्यों निकाली है? वह इसे एक तरह से डेविड के ख़िलाफ़ कर देती है। जब राजा यह कहता है, तो क्या वह स्वयं को दोषी नहीं ठहराता? क्योंकि राजा अपने ही निकाले हुए पुत्र को वापस नहीं ले आया। दूसरे शब्दों में, आप मेरी और मेरे बेटे की ओर से फैसला दे रहे हैं।

आप मेरे पुत्र पर बड़ी दया कर रहे हैं। लेकिन अपने बारे में क्या? आपके अपने निर्वासित बेटे के बारे में क्या? जैसे जमीन पर पानी गिरा हो. अब स्मरण रखो, योआब ने ही उसे यह सब कहने के लिये तैयार किया है।

तो, उसका तर्क है, आपने हस्तक्षेप किया है और मेरे और मेरे बेटे के प्रति दयालु रहे हैं, उसकी जान बख्श दी है। लेकिन आपके अपने बेटे, आपके अपने ही निर्वासित बेटे के बारे में क्या? और फिर आयत 14 में, और याद रखें, योआब ये शब्द उसके मुँह में डाल रहा है। उसे ठीक-ठीक बता दिया गया है कि उसे क्या कहना है।

वह एक बुद्धिमान महिला हैं. वह संचार में अच्छी है. और इसलिए, उसने उसे चुना है।

और इसलिए, यह योआब का दर्शन है जो यहां आ रहा है। जैसे ज़मीन पर गिरा हुआ पानी, जिसे वापस नहीं पाया जा सकता, उसी तरह हमें मरना ही होगा। हर कोई मरता है।

मृत्यु अपरिहार्य है. परन्तु यह वह नहीं है जो परमेश्वर चाहता है। बल्कि वह ऐसे तरीके निकालता है कि कोई निकाला हुआ व्यक्ति उससे अलग न रह जाए।

तो, तर्क यह प्रतीत होता है कि, अरे, हर किसी को मरना है, लेकिन भगवान लोगों को बहाल करने के व्यवसाय में है। और भगवान लोगों को मारते नहीं फिरते। वह उन तरीकों के बारे में सोचता है जिससे एक निर्वासित व्यक्ति को वापस लाया जा सके।

और यह योआब का दर्शन है. वह हत्यारा है. अब्नेर को मारने के बाद डेविड द्वारा उसे कई बार श्राप दिए जाने के अलावा, उसे किसी भी तरह के न्याय का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन उसे किसी भी तरह के व्यावहारिक तरीके से न्याय का सामना नहीं करना पड़ा।

और यही उनका दर्शन है. लोग मर जाते हैं, और भगवान उन्हें पुनर्स्थापित करने का कार्य कर रहे हैं ताकि उन्हें निर्वासित न रहना पड़े। और यह अबशालोम के प्रति उसके दृष्टिकोण को भी दर्शाता है।

इसके बारे में सोचो, योआब और अबशालोम कई मायनों में एक जैसे हैं। वे दोनों हत्यारे हैं. और इसलिए, योआब चाहता है कि दाऊद उसके इस हत्यारे बेटे पर दया दिखाए, जैसे उसने अतीत में योआब पर दया दिखाई थी।

इसलिये अब मैं अपने प्रभु राजा से यह कहने आया हूं, क्योंकि प्रजा ने मुझे डरा दिया है। आपके सेवक ने सोचा कि मैं राजा से बात करूंगा। वह यहां अपने मुद्दे पर वापस आती है।

और अब तेरा दास कहता है, कि मेरे प्रभु राजा का वचन मेरे प्रभु राजा के हाथ से मेरा निज भाग सुरक्षित कर दे । यह अच्छे और बुरे की पहचान करने में ईश्वर के दूत की तरह है। वह उसकी चापलूसी करती है।

आप बहुत बुद्धिमान व्यक्ति हैं. इस सब में विडंबना यह है कि डेविड इस कहानी में इतना बुद्धिमान नहीं है। वह वास्तव में बाहर से अंदर की ओर देख रहा है।

प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे साथ रहे। ख़ैर, डेविड मूर्ख नहीं है। राजा ने स्त्री से कहा, मैं जो तुझ से पूछता हूं उसका उत्तर मुझ से मत छिपाना।

डेविड को यहां कुछ संदेह हुआ। स्त्री ने कहा, मेरे प्रभु राजा को बोलने दो। राजा ने पूछा, क्या योआब का हाथ इस सब में तेरे साथ नहीं है? चलो, अब बताओ.

क्या योआब ने आपसे मेरे पुत्र को घर लाने का अनुरोध नहीं किया था? स्त्री ने उत्तर दिया, हे मेरे प्रभु राजा, तेरे जीवन की शपथ, मेरे प्रभु राजा की कही हुई बात से कोई न तो दाहिनी ओर मुड़ सकता है और न बाईं ओर। इसलिए, वह यहां डेविड की थोड़ी अधिक चापलूसी करती है। तेरे दास योआब ने ही मुझे ऐसा करने की आज्ञा दी, और उसी ने ये सब बातें तेरे दास के मुंह में डालीं।

आप बिल्कुल सही हैं. मैं बस वही कह रहा हूं जो उन्होंने मुझसे कहने को कहा था। आपके सेवक योआब ने वर्तमान स्थिति को बदलने के लिये ऐसा किया।

उन्हें लगता है कि बदलाव जरूरी है. मेरे प्रभु के पास परमेश्वर के दूत के समान बुद्धि है। वह सब कुछ जानता है जो देश में होता है।

इसलिए, वह डेविड की थोड़ी अधिक चापलूसी करती है। और फिर, विडंबना यह है कि नहीं, वह ऐसा नहीं करता। इस विशेष संदर्भ में, वह समझ गया है कि वह क्या कर रही है, लेकिन वास्तव में वह बहुत सी चीजें नहीं समझ पाया है जो चल रही हैं।

इस प्रकार राजा ने योआब से कहा, बहुत अच्छा, मैं यह करूंगा। जाओ, युवक अबशालोम को वापस ले आओ। और योआब ने मुंह के बल गिरकर दाऊद का आदर किया, और राजा को आशीर्वाद दिया।

और योआब ने कहा, हे मेरे प्रभु राजा, आज तेरे दास ने जान लिया कि तेरे अनुग्रह की दृष्टि उस पर है, क्योंकि राजा ने उसके दास की बिनती मान ली है। अत: योआब ने दाऊद को धन्यवाद दिया। मैं इस तथ्य की सराहना करता हूं कि मेरे पास आपके सामने कुछ स्थिति है जहां आप मेरा अनुरोध स्वीकार करेंगे।

अत: योआब गशूर को गया। वह अबशालोम को यरूशलेम वापस लाता है। लेकिन डेविड इस समय शाब्दिक या आलंकारिक रूप से अबशालोम को पूरी तरह से गले लगाने के लिए तैयार नहीं है।

और राजा ने कहा कि उसे अपने घर जाने की आवश्यकता है। उसे मेरा मुँह नहीं देखना चाहिए। वह यहां वापस आ सकता है, लेकिन मैं उसके साथ रिश्ता रखने के लिए तैयार नहीं हूं।'

अत: अबशालोम अपने घर चला गया। उसने राजा का मुख नहीं देखा। और कहानी बस एक पल के लिए रुकती है, और फिर वर्णनकर्ता अबशालोम के बारे में बात करने के लिए रुकता है।

श्लोक 25 में, पूरे इस्राएल में , अबशालोम के रूप में उसकी सुंदर उपस्थिति के लिए इतनी अधिक प्रशंसा नहीं की गई थी। तो, अबशालोम एक बहुत ही आकर्षक व्यक्ति है। उसके सिर के ऊपर से लेकर पाँव के तलवे तक उसमें कोई दोष नहीं था।

इससे पता चलता है कि उसकी शारीरिक अपील उसे कई लोगों की नज़र में राजा के लिए एक प्रमुख उम्मीदवार बना सकती है। यहां थोड़ा सा पूर्वाभास चल रहा है। अबशालोम के पास देने के लिए बहुत कुछ है।

कुछ लोग जो चीज़ों को सतही तौर पर देखते हैं, बाहरी दिखावे को देखते हैं, सोचते होंगे कि वह एक अच्छा राजा बनेगा। और वास्तव में, वह ऐसा करने जा रहा है, और राजसत्ता लेने के अपने प्रयास में उसे बहुत समर्थन मिलने वाला है। तो कुछ पूर्वाभास है.

वह जब भी अपने सिर के बाल कटवाते थे तो साल में एक बार ही बाल कटवाते थे क्योंकि यह उनके लिए बहुत भारी हो जाते थे। वह उसे तौलेगा, और उसका वजन शाही मानक के अनुसार 200 शेकेल होगा। वह लगभग तीन पाउंड है।

बहुत सारे बाल हैं, इसलिए वह एक अच्छा दिखने वाला व्यक्ति है। अबशालोम के तीन बेटे और एक बेटी पैदा हुई। उसकी बेटी का नाम तामार था और वह एक सुन्दर स्त्री बनी।

इसलिए, वह अपनी बेटी का नाम अपनी अपवित्र बहन के नाम पर रखता है। और यह हमारे लिए उस पूरी घटना की याद दिलाता है जहां अबशालोम द्वारा अम्नोन को मारने तक वास्तव में न्याय नहीं मिला था। तमाड़ की घटना अभी भी यहां पृष्ठभूमि में है।

पद 28 के अनुसार, वह यरूशलेम में दो वर्ष तक रहता है, और राजा का चेहरा बिल्कुल भी नहीं देखता है। और इसलिए, अबशालोम पूरी तरह से बहाल होना चाहता है। उन्हें यह व्यवस्था पसंद नहीं है.

वह एक उड़ाऊ पुत्र है जिसे घर लाया गया है लेकिन डेविड ने उसे पूरी तरह से अपनाया नहीं है। और इसलिए, उसने योआब को बुलाया। वह सोच रहा है, मुझे योआब से संपर्क करना होगा।

योआब मुझे यहाँ वापस ले आया। मुझे योआब को राजा के पास आने और यहाँ मेरी मदद करने के लिए प्रेरित करना होगा। और वह दूसरी बार भेजता है और योआब नहीं आता।

ऐसा प्रतीत होता है कि योआब बदल गया है। योआब उसे वापस चाहता था, शायद इसलिए क्योंकि उसे लगता था कि अगर डेविड को कुछ हो जाता है तो हमें उसे अपने पास रखना होगा। वह राजा के लिए सर्वोत्तम उम्मीदवार है।

लेकिन फिर जाहिरा तौर पर जब वह अबशालोम के प्रति दाऊद का रवैया देखता है, तो योआब पीछे हट जाता है। और वह इस समय अबशालोम के बिलकुल भी निकट नहीं है। अत: योआब का दृष्टिकोण बदल गया प्रतीत होता है।

तो, अबशालोम कुछ बहुत ही क्रांतिकारी कदम उठाता है। और इससे पता चलता है कि वह किस तरह का इंसान है.' देखिए, इसमें से बहुत कुछ चरित्र-चित्रण है।

अबशालोम राजा जैसा दिखता है। वह अपनी बेटी का नाम अपनी अपवित्र बहन के नाम पर रखता है। तमर की घटना अभी भी उसे परेशान कर रही है, या कम से कम, उसे इसकी याद दिलाई जा रही है।

और अब वह योआब का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहा है। तो, जब आप किसी का ध्यान आकर्षित नहीं कर पाते तो आप क्या करते हैं? खैर, हम कई उचित स्पष्टीकरण दे सकते हैं। खैर, शायद उसे जाकर व्यक्तिगत रूप से उसका सामना करने की जरूरत है।

नहीं, क्यों न उसके खेत को जला दिया जाए? उसका घर जला दो, तुम्हें पता है, उसका खेत जला दो। सो वह कहता है, देखो, योआब का खेत मेरे खेत से लगा हुआ है। वह बमुश्किल वहां है.

जाओ इसे आग लगा दो. वह उसे यहाँ ले आएगा। और निश्चित रूप से, ऐसा होता है।

योआब अबशालोम के घर गया। और उस ने उस से कहा, तेरे दासोंने मेरे खेत में क्यों आग लगाई है? तो, यह अबशालोम को ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित कर रहा है जो अपना रास्ता पाने के लिए किसी भी चीज़ का सहारा लेगा। और अबशालोम ने कहा, देख, मैं ने तेरे पास कहला भेजा, और तू न आया।

इसलिए, मुझे आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए कुछ करना होगा। मैं गेशूर से क्यों लौट आया हूं? अगर मैं अभी भी वहां होता तो मेरे लिए बेहतर होता।' अब मैं राजा का मुख देखना चाहता हूँ।

और यदि मैं किसी बात का दोषी हूं, तो वह मुझे मार डाले। तो, वह एक तरह से लिफाफा यहाँ धकेलता है, मानो कह रहा हो, आप जानते हैं, मैंने वास्तव में कुछ भी गलत नहीं किया है। मैंने अम्नोन के साथ वही किया जो उसके पास आया था।

और इसलिए, अगर मैंने कुछ गलत किया है, तो मुझे फाँसी दे दो। यदि मैंने नहीं किया है, तो मुझे पूरी तरह से प्रेरित करें। इस बिंदु पर उनका यही तर्क प्रतीत होता है।

इसलिये योआब राजा के पास गया और उसे यह बात बतायी। और राजा ने अबशालोम को बुलाया। वह अंदर आता है, झुकता है और राजा उसे चूमता है।

मुझे लगता है कि यह एक संकेत है कि आपको पूरी तरह से बहाल कर दिया गया है। खैर, जैसे ही अध्याय 15 शुरू होता है, और हम पहले 12 छंदों को जल्दी से देखने जा रहे हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि अबशालोम के मन में एक योजना है। उसके सिंहासन पर डिज़ाइन हैं।

और आप यह तर्क दे सकते हैं कि वह डेविड को एक कमजोर राजा के रूप में देखता है जो न्याय को बढ़ावा नहीं दे रहा है जैसा कि एक राजा को करना चाहिए। और इसलिए, वह खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता है जो इसे सुधार सकता है, और यह इज़राइल के लिए एक अच्छी बात होगी। और इसलिए, समय के साथ, अबशालोम ने अपने लिए एक रथ, घोड़े और अपने आगे चलने के लिए 50 आदमी उपलब्ध कराए।

संस्कृति के मानकों के अनुसार, इसमें एक प्रकार का शाही रक्षक, शाही आभा का स्वाद है। राजा यही करते हैं, और इसलिए वह खुद को एक तरह से राजा की तरह पेश कर रहे हैं। कम से कम वह अपने बारे में इसी तरह सोच रहा है।

और फिर वह सबेरे उठकर नगर के फाटक की ओर जानेवाली सड़क के किनारे खड़ा हो जाता। मूल रूप से, क्या होगा, जाहिरा तौर पर, लोग शहर में आएंगे, जो उचित है उस पर फैसले के लिए वे डेविड के पास आएंगे। यह एक तरह से तेकोआ की महिला की तरह है, कि अबशालोम पिछले अध्याय में काम कर रहा था।

और इस्राएल के गोत्रों से लोग समस्याएँ लेकर आ रहे हैं, और अबशालोम उन्हें रोकने और उनसे मिलने के लिये वहीं है। और वह कहता है, वह उन से इस प्रकार बात करता है, देखो , तुम्हारे दावे वैध और उचित हैं, परन्तु तुम्हारी बात सुनने के लिये राजा का कोई प्रतिनिधि नहीं है। यहां फिलहाल न्याय नहीं मिल रहा है.

मुझे लगता है कि डेविड के साथ क्या हो रहा है, वह उसे कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। और अबशालोम कहता है, यदि मैं देश में न्यायी नियुक्त होता, तो जिस किसी को कोई शिकायत वा मुकद्दमा होता, वह मेरे पास आता, और मैं उन्हें न्याय दिलाता। वास्तव में? खैर, इन चीजों में हमेशा प्रतिस्पर्धी पार्टियां होती हैं, लेकिन वह सभी के लिए संतुष्टि का वादा करते नजर आते हैं।

यह असंभव है। तो, अबशालोम स्वयं को न्याय के समर्थक के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, मानो कह रहा हो, मेरे पिता वास्तव में शासन जारी रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि हम सभी जानते हैं कि राजा न्याय के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन मैं न्याय के लिए प्रतिबद्ध हूं.

मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि हर किसी का उचित मामला सुना जाए, और मैं इज़राइल के लिए न्याय का समर्थक बनूंगा। पद 5 के अनुसार, जब भी कोई उसके सामने झुकने के लिए उसके पास आता था, अबशालोम उसका हाथ बढ़ाकर उसे पकड़ लेता था और उसे चूम लेता था। यह कुछ-कुछ वैसा ही है जैसे कोई राजनेता बच्चों को चूम रहा हो।

वह खुद को प्रिय बनाने और लोगों से खुद को जोड़ने की कोशिश कर रहा है। और जितने इस्राएली राजा के पास न्याय मांगने आते थे उन सभोंसे वह ऐसा ही व्यवहार करता या। और इस प्रकार, उसने इस्राएल के लोगों का हृदय चुरा लिया।

वह एक चतुर राजनीतिज्ञ है, और वह उनका दिल चुरा लेता है। और इस बिंदु पर यह बिल्कुल स्पष्ट है कि सिंहासन पर उसकी योजनाएँ हैं। और वह वास्तव में विद्रोह पैदा करने जा रहा है और दाऊद के सिंहासन को उससे छीनने की कोशिश करेगा।

चार वर्ष बीत गए, और अबशालोम ने राजा से कहा, अब वह चलने को तैयार है। वह कहता है, मुझे हेब्रोन को जाने दे , और जो मन्नत मैं ने यहोवा से मानी है उसे पूरी करने दे। जब तेरा दास गशूर और अराम में रहता या, तब मैं ने यह मन्नत मानी।

यदि यहोवा मुझे यरूशलेम वापस ले जाए, तो मैं हेब्रोन में यहोवा की आराधना करूंगा। यहां एक विडंबना है क्योंकि यहीं पर शाऊल की मृत्यु के बाद डेविड को शुरू में यहूदा का राजा बनाया गया था। याद रखें कि वह हेब्रोन गया था, और यहूदा के लोगों ने उसे राजा के रूप में पहचाना, और उसने सात साल तक हेब्रोन में शासन किया।

तो, राजा, डेविड, जो वास्तव में अब कुछ भी नहीं जानता है, वह नहीं देखता कि क्या हो रहा है। वह कहता है, शांति से जाओ। और इस प्रकार, अबशालोम हेब्रोन को गया।

परन्तु उस ने इस्राएल के गोत्रोंमें गुप्त दूत भेजकर यह समाचार भेजा या, कि हेब्रोन में आओ , क्योंकि अबशालोम वहां का राजा माना जाएगा। याद रखें उसने उनका दिल जीत लिया है। उसे समर्थन मिला है.

उसे एहसास होता है कि यह आगे बढ़ने का समय है। और इस प्रकार यरूशलेम से 200 पुरूष अबशालोम के साथ गए थे। उन्हें अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और वे मामले के बारे में कुछ भी न जानते हुए बहुत मासूमियत से चले गए।

जब अबशालोम बलिदान चढ़ा रहा था, तब उस ने अहीतोपेल को भी बुलवाया। कुछ लोग अहीतोपेल का उच्चारण करेंगे, लेकिन हिब्रू में अहीतोपेल। गेलोनाइट, जो डेविड का सलाहकार है।

और इसलिए वह उसे आने के लिए आमंत्रित करता है, और जाहिर है, अहीतोपेल अबशालोम को अपना समर्थन देने के लिए तैयार है। साजिश को बल मिल रहा है. और अबशालोम का अनुयायी बढ़ता गया।

और इसलिए, हम उस समय इस पाठ के लिए वहीं रुकेंगे। और हम देखते हैं कि उड़ाऊ अबशालोम सशरीर घर आया। लेकिन वह आत्मा में घर नहीं आया.

और हम यह भी देख रहे हैं कि जो लोग न्याय के हकदार थे उनके खिलाफ न्याय लागू करने में डेविड की विफलता के गंभीर व्यक्तिगत परिणाम हो रहे हैं। जब उसने तामार के साथ बलात्कार किया था तब अम्नोन के साथ कुछ करने में उसकी असफलता ने अबशालोम को प्रोत्साहित किया। और उन्होंने न्याय का चैंपियन बनने का फैसला किया।

और मुझे लगता है कि राजा बनने की कोशिश करने के उनके निर्णय के लिए यही उत्प्रेरक था। क्योंकि वह दाऊद को एक उचित राजा के रूप में नहीं देखता। और इसलिए, वह अपने पिता की जगह लेंगे।

मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वह इसमें सही है, कि प्रभु इसका बिल्कुल भी समर्थन कर रहे हैं। लेकिन डेविड की विफलता निरंतर पाप के लिए उत्प्रेरक है। यह तथ्य कि योआब को कभी न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया, अबशालोम के लिए भी बहुत कुछ कह सकता है।

तो, डेविड यहां परेशानी में पड़ने वाला है, जैसा कि हम अगले पाठ में देखेंगे। अबशालोम मूल रूप से विद्रोह का आयोजन करने जा रहा है। और यह उस बिंदु पर आता है जहां वह वास्तव में यरूशलेम पर कब्जा कर लेता है और डेविड को शहर से निकाल देता है।

और हम उस सब को अध्याय 15 के शेष भाग और अध्याय 16 और 17 में देखेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 23, 2 शमूएल 13-15:12 है। आप जो बोते हैं वही काटते हैं, 13. एक उड़ाऊ पुत्र शरीर में घर आता है, लेकिन आत्मा में नहीं। 14.1-15 12.